रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

रादुविवि में स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण

जबलपुर 15 अगस्त। रादुविवि में दिनांक 15 अगस्त, 2021 को राष्ट्र के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र द्वारा विश्वविद्यालय मुख्य प्रशासनिक भवन के समक्ष प्रातः 8.00 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा।

इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह सहित विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, अतिथि विद्वान, कर्मचारी, एन.एस.एस. कार्यक्रम समन्वयक तथा स्वयंसेवक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

प्रभाव व स्वभाव का मणिकांचन संयोग है तुलसी साहित्य : कुलपति प्रो. मिश्र

जबलपुर 16 अगस्त । रामबोला के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है हर तरह की परेषानी उठाई पर हार नहीं माने। इसीलिए प्रभाव और स्वभाव का मणिकांचन संयोग है तुलसी का साहित्य। उक्त विचार हिंदी एवं भाषाविज्ञान विभाग द्वारा 15 अगस्त को अपरान्ह 3.30 बजे आयोजित तुलसी जयंती ऑनलाईन कार्यक्रम में अध्यक्षीय आसंदी से रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र जी ने व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद गिरि महाराज ने तुलसी जयंती के अवसर पर तुलसी चरित्र की व्याख्या करते हुए सभी को आशीष प्रदान किया। प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल बीज वक्तव्य देते हुए कहा कि तुलसी शब्द हैं और शब्द ब्रह्म है। तुलसी साहित्य में हमें अपने

संस्कृति से तपे और सीझे हुए विचार मिलते हैं। सारस्वत अतिथि प्रो. के.एल. जैन पूर्व अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा ने कहा कि तुलसी साहित्य अद्वितीय एवं कालजयी हैं ये हमें आस्था और विश्वास का पाठ पढ़ाते हैं, जो जीवन के महत्वपूर्ण घटक हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल तुलसी सम्मान प्राप्त डॉ. अखिलेश गुमास्ता जी ने 'पराधीन सपनेहु सुख नाहीं' की व्याख्या करते हुए कहा कि ये पीड़ा भारतमाता की है। अखंड भारत से ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रयागराज से डॉ. राजेश कुमार गर्ग जी ने रामचरितमानस की प्रासंगिकता के साथ उसके वस्तुपरक और बहिर्मुखी चर्चा के विषय में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक ने सभी अतिथियों का स्वागत और प्रियंका नामदेव ने सरस्वती वंदना का पाठ किया। कार्यक्रम में डॉ. बिहारी लाल द्विवेदी, डॉ. अजय शुक्ल डॉ. विनय शुक्ल, डॉ. माधुरी गर्ग, डॉ. विपुला सिंह, राखी चतुर्वेदी, सृष्टि, दिनेश, दीपक, दीप्ति, टीका और बड़ी संख्या में अध्यापक, शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशा रानी ने और आभार डॉ. नीलम दुबे ने किया।